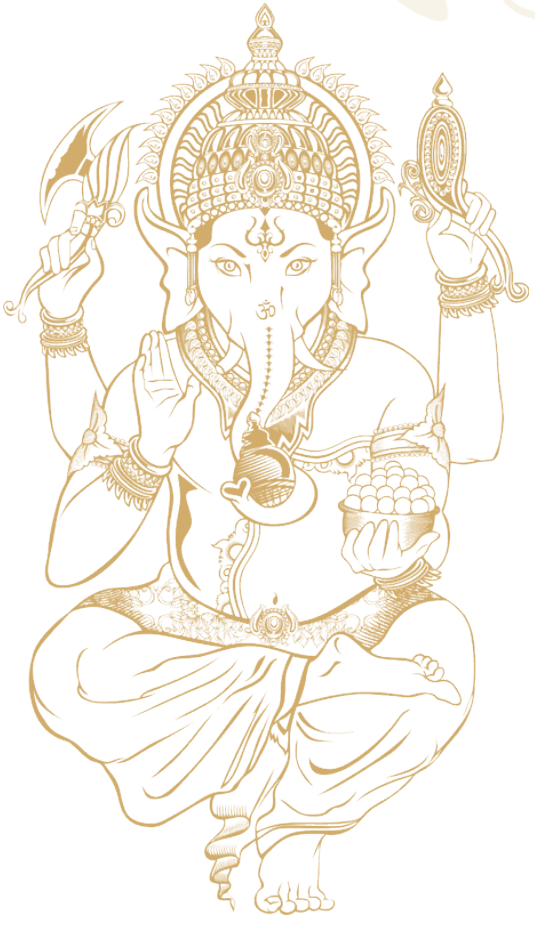

Mayur

Bhagyashree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121095308

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25/05/1996 :	जन्म तिथि	: 25-26/12/2000
शनिवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 10:23:00 :	जन्म समय	: 04:02:00 घंटे
घटी 11:30:27 :	जन्म समय(घटी)	: 52:29:51 घटी
India :	देश	: India
Jalgaon :	स्थान	: Savda
21:01:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:10:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:46:49 :	सूर्योदय	: 07:01:05
19:01:41 :	सूर्यास्त	: 17:51:43
23:48:28 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 3वर्ष 9मा 8दि		13:09:10	कर्क	लग्न	तुला	29:42:21	केतु 0वर्ष 2मा 12दि	
सूर्य		10:27:30	वृष	सूर्य	धनु	10:35:18	सूर्य	
03/03/2020		06:08:51	सिंह	चंद्र	धनु	12:56:56	09/03/2021	
03/03/2026		22:51:37	मेष	मंगल	तुला	07:30:38	10/03/2027	
सूर्य	20/06/2020	26:05:12	मेष व	बुध	धनु	10:39:49	सूर्य	27/06/2021
चन्द्र	20/12/2020	23:11:28	धनु व	गुरु व	वृष	08:51:47	चन्द्र	27/12/2021
मंगल	27/04/2021	04:00:01	मिथु व	शुक्र	मक	26:20:08	मंगल	03/05/2022
राहु	22/03/2022	11:11:58	मीन	शनि व	वृष	01:00:57	राहु	28/03/2023
गुरु	08/01/2023	22:05:45	कन्या व	राहु व	मिथु	21:35:56	गुरु	14/01/2024
शनि	21/12/2023	22:05:45	मीन व	केतु व	धनु	21:35:56	शनि	26/12/2024
बुध	26/10/2024	10:39:59	मक व	हर्ष	मक	24:29:55	बुध	02/11/2025
केतु	03/03/2025	03:46:15	मक व	नेप	मक	11:15:07	केतु	10/03/2026
शुक्र	03/03/2026	07:51:40	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:40:58	शुक्र	10/03/2027

लग्न-चलित

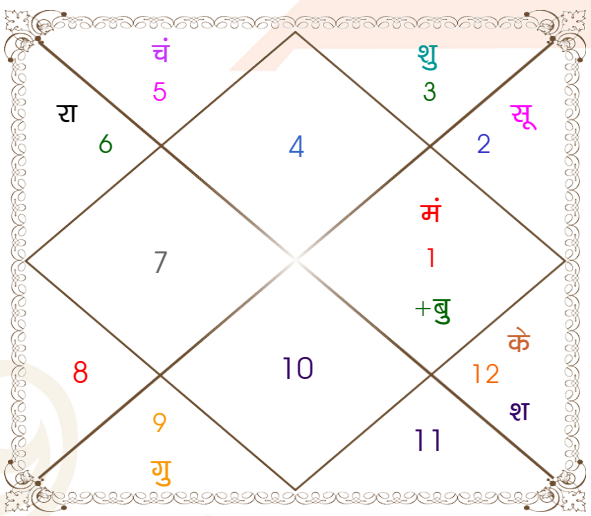

लग्न-चलित

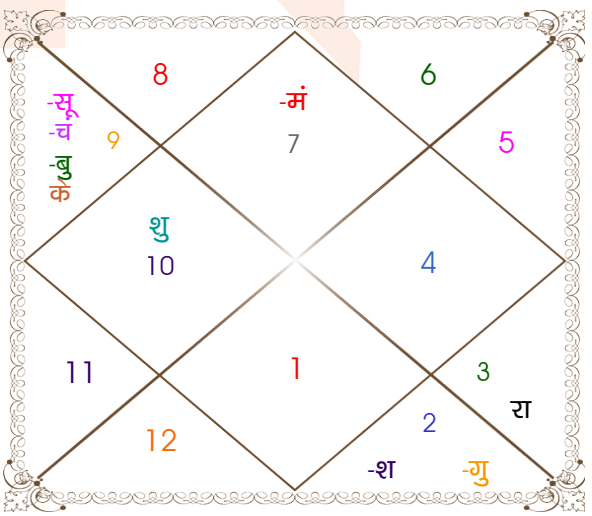

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mayur का वर्ग मूषक है तथा ठींहलींतमम का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mayur और ठींहलींतमम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mayur मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ठींहलींतमम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mayur कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mayur तथा ठींहलींतमम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।